भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. **1118**

सोमवार,16 दिसंबर, 2013 को उत्तर के लिए

**गुजरात में चलाई गई योजनाएं और अध्‍ययन कार्यक्रम**

**1118. श्री पुरूषोत्तम खोडाभाई रूपाला:**

**श्री भरतसिंह प्रभातसिंह परमार:**

क्‍या **पृथ्‍वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

1. मंत्रालय ने पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में कितनी योजनाएं और अध्‍ययन कार्यक्रम चलाए हैं;
2. इस संबंध में आवंटित की गई धनराशि का ब्‍यौरा क्‍या है; और
3. क्‍या मंत्रालय ने इस संबंध में गुजरात सरकार से सम्‍पर्क किया है अथवा राज्‍य में संयुक्‍त रूप से शोध कार्य करने जा रहा है?

**उत्तर**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(श्री एस. जयपाल रेड्डी)

(क) और (ख) पृथ्‍वी विज्ञान मंत्रालय(एमओईएस) ने विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में निम्‍नलिखित परियोजनाएं/स्‍कीमें कार्यान्‍वित की है:-

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्रम सं.** | **परियोजना/स्‍कीम का नाम** | **संस्‍थान/विश्‍वविद्यालय** | **आवंटित निधि** | **मंजूरी वर्ष** |
|  | मनुष्‍य, प्राकृतिक और स्‍थानिक पर्यावरण पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर अध्‍ययन करने के सहयोगात्‍मक कार्यक्रम | पर्यावरण और योजना प्रौद्योगिकी केंद्र, सीईपीटी विश्‍वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात | 101.14 लाख रु. | 2010-11 |
|  | समुद्री सूक्ष्‍मशैवाल से जैव ईधन | बहु-संस्‍थागत परियोजना। केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्‍थान (सीएसएमसीआरई), भावनगर | 474.52 लाख रु. एमओईएस और सीएसआईआर द्वारा संयुक्‍त रूप से निधि प्रदान की गई (प्रत्‍येक का 50%) (एमओईएस का हिस्‍सा 237.26 लाख रु. है) | 2010-11 |
|  | पृथ्‍वी प्रणाली विज्ञान और इंजीनयरिंग में वराहमिहिर एमओईएस पीठ प्रोफेसर और वराहमिहिर एमओईएस युवा फैलो | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्‍थान, गांधी नगर | 150.00 लाख रु. | 2011-12 |
|  | विरूपण विशेषताओं को सीमित करने के लिए 1819 में रण के कच्‍छ में आए भूकंप के स्रोत क्षेत्र की दुबारा जांच करना | पृथ्‍वी विज्ञान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्‍थान, बंगलौर | 9.2 लाख रु. | 2010-11 |
|  | भूचुम्‍बकत्‍व के साथ 2001 में भुज में आए भूकंप के स्रोत क्षेत्र के भू इल्‍कैट्रिक उपसतह संरचना की 3डी इमेजिंग | राष्‍ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्‍थान (एनजीआरआई), हैदराबाद और भूकंप वैज्ञानिक अनुसंधान संस्‍थान (आईएसआर), गांधीनगर द्वारा संयुक्‍त रूप से | 9.556 लाख रु. (आईएसआर) और 7.95 लाख रु. (एनजीआरआई), कुल 17.506 लाख रु. | 2010-11 |
|  | गुजरात,भारत के कच्‍छ भूकंपीय क्षेत्र में इंटराप्‍लेट भूकंप की अबाधित घटना से संबंधित स्रोत प्रक्रिया और भूकंपीय आपदा का अध्‍ययन | राष्‍ट्रीय भू भौतिकी अनुसंधान संस्‍थान (एनजीआरआई), हैदराबाद | 76.56 लाख रू. | 2013-14 |
|  | समुद्री विविधता और प्रदूषण (बहु संस्‍थागत परियोजना) | एम.के.भावनगर विश्‍वविद्यालय,भावनगर, गुजरात (बहु संस्‍थागत परियोजना) | 60.67 लाख रु. | 2010-11 |
|  | कल्‍पासर परियोजना के लिए अध्‍ययन (गुजरात सरकार की परियोजना) | राष्‍ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्‍थान (एनआईओटी), चेन्‍नै | 52 करोड़ रु. (अनुमानित कुल लागत) गुजरात सरकार द्वारा वित्‍तपोषित | 2010-11 |
|  | महाराष्‍ट्र और गुजरात के विभिन्‍न स्‍थानों में समुद्री प्रदूषण की मॉनीटरिंग | राष्‍ट्रीय समुद्र वैज्ञानिक संस्‍थान (एनआईओ), प्रादेशिक केंद्र, मुबंई | 411 लाख रु. (कुल लागत) | 2012-13 |

(ग) जी नहीं। पृथ्‍वी विज्ञान मंत्रालय ने इस संबंध में गुजरात सरकार से संपर्क नहीं किया है और न ही इसके पास राज्‍य में सहयोगात्‍मक अनुसंधान कार्य करने का कोई प्रस्‍ताव है ।

\*\*\*\*\*